राजकीय महाविद्यालय काण्ड़ा बागेश्वर (उत्तराखण्ड़)

(संस्कृत विभाग)

Program Outcoms: स्नातक एवं स्नातकोत्तर (संस्कृत)

- साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्त्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य–सामाज का दर्पण है। स्नातक उपधि में इस विषय के चयन से विद्यार्थि साहित्य के अध्ययन से तात्कालिक समाज एवं संस्कृति से अवगत होगा।
- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषा कौशल प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता प्राप्त होगी।
- मूल्यपरक व्यक्तित्व से युक्त होकर भारतीयता का बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।
- विद्यार्थी संघ लोक सेवा ओयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोग के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित संस्कृत साहित्य की आधार एवं अनिवार्य शिक्षा प्राप्त कर सकेगें।
- विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त हो सकेगी।

बी.ए प्रथम सत्रार्द्ध संस्कृत

प्रथम प्रश्न पत्र– संस्कृत नीतिकाव्य एवं व्याकरण

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर नीतिकाव्य से परिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत नीतिकाव्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्यबोध कर सकेंगे।
- नीतिकाव्य में प्रयुक्त नैतिक शिक्षा का बोध कर सकेंगे।
- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
- स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
- स्वर व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशन विकसित होगा।

बी.ए द्वितीय सत्रार्द्ध संस्कृत

प्रथम प्रश्न पत्र– संस्कृत महाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से उनमें निहित महान चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात करेंगे।

- विद्यार्थी संस्कृत महाकाव्य में प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे।
- संस्कृत महाकाव्यों में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- संस्कृत नाटक के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे।
- नाटक की परिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे तथा संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।

बी.ए तृतीय सत्रार्द्ध संस्कृत

प्रथम प्रश्न पत्र– संस्कृत महाकाव्य, भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।
- भारतीय संस्कृति के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृति की विशेषताओं से परिचित होंगे जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
- भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।
- संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

बी.ए चतुर्थ सत्रार्द्ध संस्कृत

प्रथम प्रश्न पत्र– संस्कृत महाकाव्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर पद्यसाहित्य एवं गद्यसाहित्य से सुपरिचित हो सकेंगे।

- सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से पद्यसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे।
- सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक गुणों का विकास होगा।
- प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों के अध्ययन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगें।
- विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा।

बी.ए पंचम सत्रार्द्ध संस्कृत

प्रथम प्रश्न पत्र– काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर शास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे।
- भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।

- दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
- व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास होगा।

द्वितीय प्रश्न पत्र– उपनिषद्, पुराण एवं स्तोत्रकाव्य।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
- पुराणों के अध्ययन से सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना से परिचित होंगे।
- स्तोत्र काव्य के अध्ययन से कल्याण परक तथ्यों से परिचित होकर आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- स्तोत्र काव्य के रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

प्रोजेक्ट कार्य– लघुशोध अध्ययन एवं कार्य–संस्कृत रूपकों में नाट्यशास्त्रीय तत्व।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- विद्यार्थी लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से संस्कृत रूपकों एवं नाट्यशास्त्रीय तत्वों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- संस्कृत साहित्य के प्रसार के लिए नाट्यशास्त्रीय अध्ययन सहायक होगा।
- विद्यार्थी रूपकों के अध्ययन के माध्यम से शोधकार्य में कुशलता प्राप्त कर सकेंगे।

बी.ए षष्ठ सत्रार्द्ध संस्कृत

प्रथम प्रश्न पत्र– **वैदिक वाङ्मय एवं वैदिक साहित्य।**

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- विद्यार्थी वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीयकरण होगा।
- वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थी को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा।
- वर्तमान समय में वेदांग के ज्ञान द्वारा मानव कल्याणार्थ अग्रसर होंगे।

द्वितीय प्रश्न पत्र– धर्मशास्त्र स्मृति एवं कौटिल्य अर्थशास्त्र।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- स्मृति साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- मनुस्मृति के माध्यम से भारतीय संस्कृति उवं संस्कारों का अवबोध कर सकेंगे।
- याज्ञवलक्य स्मृति के अध्ययन से आचार एवं व्यवहार का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

- कौटिल्य अर्थशास्त्र के अध्ययन से अर्थनीति एवं राजनीति के मूलभूत सिद्धान्तों का अवबोध कर सकेंगे।

प्रोजेक्ट कार्य– लघुशोध अध्ययन एवं कार्य–वेदों में योग का स्वरूप।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- विद्यार्थी शोध के माध्यम से वेद एवं योगशास्त्र से परिचित होंगे।
- भारतीय योगशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।
- योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे जिसके अनुप्रयोग से स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे।

स्नातकोत्तर सस्कृत

एम.ए प्रथम सत्रार्द्ध संस्कृत

प्रथम प्रश्न–पत्र–: वेद एवं वैदिक साहित्य का इतिहास।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- will have a clarity about the Vedic wisdom and Vedic concepts.
- will know about certain aspects involved in the interpretation of Vedic verses.
- will be able to explain various theories of interpretations according to some important ancient, and modern Indian commentators.

द्वितीय प्रश्न–पत्र–: व्याकरण एवं पालि।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- be able to analyse Sanskrit phonology with reference to its historical development.
- be able to critically observe the structural pattern of Sanskrit declension and conjugation, with special reference to the Epic and Buddhist Hybrid Sanskrit.
- be able to examine primary and secondary Sanskrit suffixes in their developmental phases

तृतीय प्रश्न–पत्र–: सांख्य एवं न्याय।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

After the completion of this course the students

- will be: able to explain the stanzas and passages of Sankhyakarika and Arthasangraha and the fundamental concepts of Sankhya and Mimansa philosophies in the lines of these two premier texts.
- familiar with many important Sankhya and Mimansa terminologies.

चतुर्थ प्रश्न–पत्र–:नाटक एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- Will form an idea of the superb aesthetic expressions that make Sanskrit composition occurs the position of pride in world Literature.
- Will be able to appreciate the expressions of Rasa, Dhvani and other literary elements contributing to the making of an art called poetry.

- Will be able to see the depiction of nature in various human forms and emotions in two of the master pieces of literary art.
- Will be exposed to the art of employment of Alankaras and Chandas in a poetic creation.

एम.ए द्वितीय सत्रार्द्ध संस्कृत

प्रथम प्रश्न–पत्र–: निरूक्त एवं पाणिनीय शिक्षा ।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- After completion of this course the students:
- will be able to appreciate the role of Nirukta for understanding the essence of Vedic verses through application of Nirukti or etymology.
- will be able to appreciate the role of Bṛhaddevatā and Pāṇinīyaśikṣā for understanding Vedic verses, and related issues.

द्वितीय प्रश्न–पत्र–: प्राकृत एवं भाषा विज्ञान।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- Remembrance of basic principles of the Pali & Prakrit Language and Literature
- Understanding the ancient Prakrit languages
- Application of the rules of Prakrit grammar in Buddhist and Jain literature
- Analysis of some popular Prakrit and Pali texts
- Learning of the small and simple Prakrit words and sentences
- Studying the journey of Prakrit Languages

तृतीय प्रश्न–पत्र–: वेदान्त एवं दर्शन साहित्य का इतिहास।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- After the completion of this course the students
- will be able to critically analyse and examine the fundamental concepts of Nyāya and Advaita Vedānta Philosophies.
- be able to understand and explain the prescribed text and the conceptual terms therein.
- be able to critically analyse the prescribed theories.
- get to know the scientific approach of Nyaya-Vaisheshika
- & Advaita Vedanta philosophers in the analysis of the phenomenal world and its process of evolution.
- understand the contribution of Nyaya-Vaisheshika & Advaita Vedanta philosophers in the epistemological studies, application of which is very important in the day to day life situations; helping them in the proper judgment of the Truth

चतुर्थ प्रश्न–पत्र–: काव्य एवं भारतीय संस्कृति।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- Will be able to peep into the social history of ancient India.
- Will be familiar with the individual styles of the two of the greatest of Sanskrit Writers.

एम.ए तृतीय सत्रार्द्ध संस्कृत

प्रथम प्रश्न–पत्र–: व्याकरण ।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- be able to observe and appreciate the contributions of the ancient Indian Thinkers of the philosophy of language and linguistic.
- be able to understand the important, relevant and the purposes of the study of the Grammar

द्वितीय प्रश्न–पत्र–: गद्यकाव्य ।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- After the completion of this course the students:
- Will find themselves well acquainted with the highest forms of prose writings with its poetic beauty along with social relevance.
- Will form an idea of the superb aesthetic expressions that make Sanskrit composition occurs the position of pride in world literature.

तृतीय प्रश्न–पत्र–: नाट्शास्त्र।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- will form a basic understanding of some fundamental terminologies of the Natya and Kavya as presented by Baharat and Anandavardhana.
- will have acquired an in-depth knowledge of the theories of Rasa and Dhvani.

चतुर्थ प्रश्न–पत्र–: काव्यशास्त्र।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- will form a deep understanding of the fundamental terminologies of kavya as presented by Mammata.
- will acquire an in-depth knowledge of the theories of meaning, the importance of suggestive meanings and rasa in poetry.
- will be successful in applying this knowledge for critical analysis in the light of suggestive meanings.
- will be able to appreciate and enjoy the expressions of poetry.

एम.ए चतुर्थ सत्रार्द्ध (संस्कृत)

प्रथम प्रश्न–पत्र–: व्याकरण एवं निबन्ध ।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- be able to understand the issues of philosophy of Grammar in general.
- be able to understand the nature of the word, meaning and their relation.
- be able to understand the Sphoṭa theory of the Grammarians.
- be able to understand the different levels of language.

द्वितीय प्रश्न–पत्र–ः संस्कृत नाटक एवं चम्पू ।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- will be able to appreciate the aesthetical, social, political, cultural, etc.
- values expressed in prescribed compositions.
- Will understand the structural patterns of Sanskrit dramatic compositions.
- Will be able to know the finer and minor nuances of Prakarana form of drama.

तृतीय प्रश्न–पत्र–ः काव्य्शास्त्र।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

- will gain the ability to explaining and critically analysing of the prescribed texts in the light of commentator Dhanika.
- will be able to know the depth knowledge about of various terminology i.e.
- plot, actor and rasa, etc. for criticism a dramatic composition.
- will have a broad perspective of the field of famous rhetoricians of Alaṁkāraśāstra and their theories.will be successful in applying this knowledge for critical analysis**.**

चतुर्थ प्रश्न–पत्र–ः मौखिक परीक्षा ।

Course Outcoms: अधिगम उपलब्धि

To develop preparation op various competitive exam interview like as.UPSC and others.

हरीश कुमार
विभाग प्रभारी (संस्कृत विभाग)
राजकीय महाविद्यालय काण्ड़
बागेश्वर